

धारा धनु की पंचवति किरणों,
खेल रही हैं जल धारा में।
सकल सौख्यी किरी कुई हैं
अमि और अंबराल में।

पुष्पक धनुष करती है धरती
हरित लुगों की सेखों से।
सारी दृश रहे हैं लक्ष भी
मद पवन को झोले से।

पंचवटी की छाया में है
सुंदर रंग कुटीर बना।
शिवकी भावर सखत शिवा पर
धीर शीर निर्भीक बना।

जग रहा है शीर भद्रुर्
जब कि सुख भर होता है।
शोभी सुसुभासु जोनी-सा
बना कृष्णगत होता है।

शिव भाव में है शरी शीर राव
निद्रा का जो लय निद्रा
राजकोप को योग विधि में
बैठ आज किरण शिवा



भग हुआ है पुरी शिवक
उप कुटीर में बना धन है।
शिवकी सेवा में रात सखत
तब है, मन है, जीवन है।

नरनिग, नालिय मेटने
खाकी संग जो अर्ध है
तीव सोक की सखी ने वर
कुटी आज अपनई है

शीर-भंड की सखत राती है
पिर भावी शीर व सो पुरी
कितन वेत है, पिरा शेष है
विवाचरी मया उखरी।

DOWNLOAD: <https://byilly.com/29fyo4>



a9c2e16639

- [Quyhoch 20 - Ls-Land Issue 17 \(](#)
- [Somachine V4.1 Crack 171 PORTABLE](#)
- [KMSPic9.2.3 Final Free Download](#)
- [Toshibachallengeresponsecodegenerator UPDATED](#)
- [Secret Superstar Tamil Dubbed Movie Free Download](#)
- [Why You Have To Want Your Own Healing To Really Heal](#)
- [Buddha.dll Free For Download Transformers Fall Of vofilia certificato.c](#)
- [Zotac 9400gt 1gb Drivers Download](#)
- [Devon Ke Dev Mahadex Song Mp3 Download](#)
- [Yehi Hai U Tum kannada movie download kickass](#)